राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–143/2026

राज्यपाल ने 211 नए डिग्री कॉलेजों के लिए सहायक प्राध्यापकों की रिकॉर्ड समय में नियुक्ति करने वाली टीमों से किया संवाद

पटना 03 अगस्त, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार लोक भवन के दरबार हॉल में राज्य के 211 नवसृजित डिग्री कॉलेजों के लिए मात्र एक महीने में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पदाधिकारियों, संस्थानों के प्रतिनिधियों और विभिन्न टीमों से संवाद किया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि टीमवर्क, प्रभावी नेतृत्व, नवाचार और जनसेवा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र की सेवा में किया गया प्रत्येक सार्थक कार्य राष्ट्र निर्माण से जुड़ा होता है। भारतीय सेना में अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी मिशन की सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्य, सुनियोजित कार्ययोजना और टीम पर विश्वास सबसे आवश्यक है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया के दौरान चुनौतियों का समय पर समाधान, विशेषकर प्रवेश–पत्रों में हुई तकनीकी त्रुटि का त्वरित सुधार को टीम की पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता का प्रमाण बताया।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने इस पूरी भर्ती प्रक्रिया को किसी प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान द्वारा मैनेजमेंट केस स्टडी के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया, ताकि यह प्रशासनिक नवाचार, नेतृत्व और समस्या समाधान का प्रेरक उदाहरण बन सके।

राज्यपाल ने कहा कि 211 नए डिग्री कॉलेजों की स्थापना तभी सार्थक होगी, जब उनमें योग्य शिक्षकों की नियुक्ति, छात्रों का नामांकन और नियमित शैक्षणिक गतिविधियाँ सुनिश्चित हों। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इसी टीम भावना, नवाचार और समर्पण के साथ बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था देश के लिए एक आदर्श बन सकती है।

बैठक की शुरुआत में माननीय राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह ने सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि 03 जुलाई को विज्ञापन जारी होने के बाद आवेदन प्राप्त करने, उनकी जांच, साक्षात्कार, 01 अगस्त को परिणाम घोषित करने तथा कॉलेज आवंटन सहित पूरी प्रक्रिया मात्र एक माह में पूरी कर ली गई। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय, सूक्ष्म योजना और अधिकारियों–कर्मचारियों के अथक परिश्रम से संभव हुई। उन्होंने बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग, उच्च शिक्षा विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, लोक भवन, समर्थ की तकनीकी टीम, तथा चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, दशरथ मांझी संस्थान और दीप नारायण सहकारी प्रशिक्षण संस्थान सहित सभी सहयोगी संस्थानों एवं अधिकारियों के योगदान की सराहना की।

.....